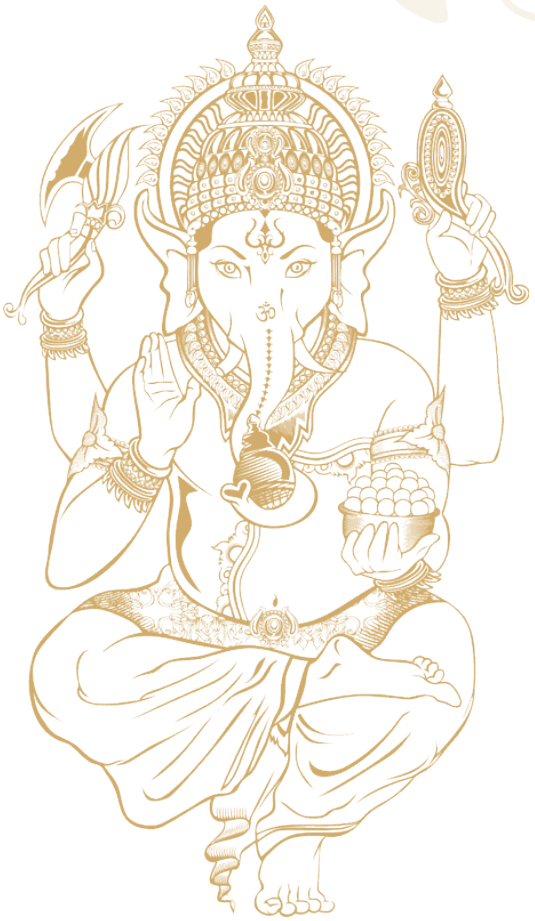

25 Jan 2026

12:18 PM

Rohtak

Model: web-freekundliweb

Order No: 121163710

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/01/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:18:00 घंटे**
इष्ट	12:35:56 घटी
स्थान	**Rohtak**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:54:00 उत्तर
रेखांश	76:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:54:32 घंटे
वेलान्तर	-00:12:16 घंटे
साम्पातिक काल	20:12:55 घंटे
सूर्योदय	07:15:37 घंटे
सूर्यास्त	17:56:15 घंटे
दिनमान	10:40:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	11:04:45 मकर
लग्न के अंश	20:47:02 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चिराग
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	20:47:02	440:31:19	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मक	11:04:45	01:01:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	29:15:17	13:49:02	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
मंगल		अ	मक	07:15:22	00:46:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	13:32:37	01:42:52	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:55:42	00:07:25	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	15:31:19	01:15:22	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	03:46:48	00:05:29	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	15:11:33	00:01:10	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	15:11:33	00:01:10	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:16:43	00:00:31	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:44:26	00:01:29	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:15:33	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मक	06:47:11	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

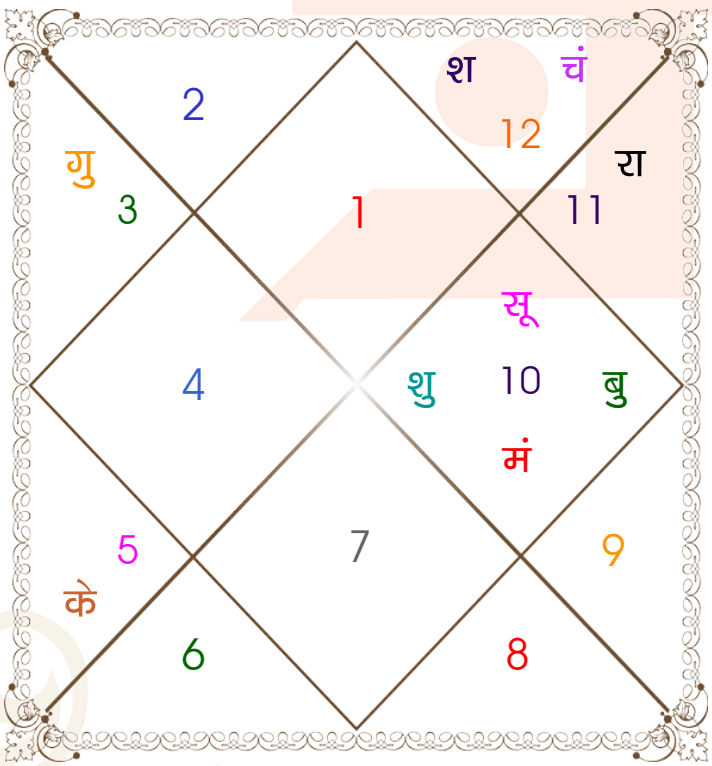

चन्द्र कुंडली

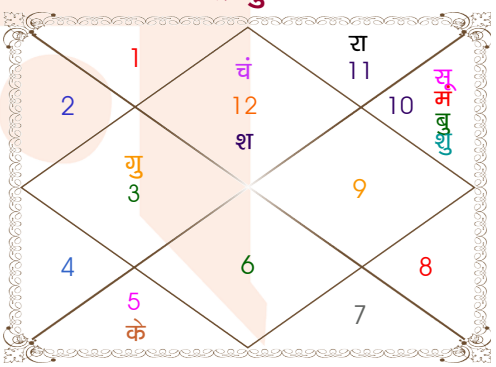

नवमांश कुंडली

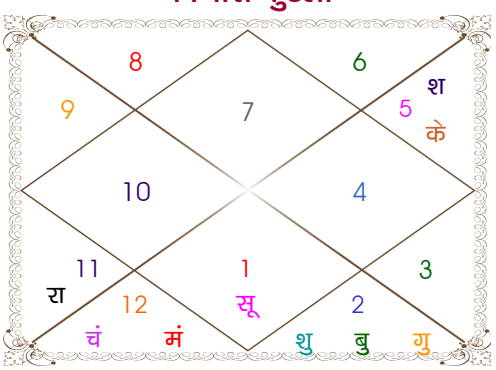

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 0 वर्ष 11 मास 12 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/01/2026		07/01/2027		07/01/2034		07/01/2054		07/01/2060	
07/01/2027		07/01/2034		07/01/2054		07/01/2060		07/01/2070	
	00/00/0000	केतु	05/06/2027	शुक्र	08/05/2037	सूर्य	26/04/2054	चंद्र	07/11/2060
	00/00/0000	शुक्र	04/08/2028	सूर्य	09/05/2038	चंद्र	26/10/2054	मंगल	08/06/2061
	00/00/0000	सूर्य	10/12/2028	चंद्र	07/01/2040	मंगल	03/03/2055	राहु	08/12/2062
	00/00/0000	चंद्र	11/07/2029	मंगल	08/03/2041	राहु	26/01/2056	गुरु	08/04/2064
	00/00/0000	मंगल	07/12/2029	राहु	08/03/2044	गुरु	13/11/2056	शनि	07/11/2065
	00/00/0000	राहु	26/12/2030	गुरु	07/11/2046	शनि	26/10/2057	बुध	08/04/2067
	00/00/0000	गुरु	02/12/2031	शनि	07/01/2050	बुध	01/09/2058	केतु	07/11/2067
	25/01/2026	शनि	10/01/2033	बुध	07/11/2052	केतु	07/01/2059	शुक्र	08/07/2069
शनि	07/01/2027	बुध	07/01/2034	केतु	07/01/2054	शुक्र	07/01/2060	सूर्य	07/01/2070

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/01/2070		07/01/2077		07/01/2095		08/01/2111		08/01/2130	
07/01/2077		07/01/2095		08/01/2111		08/01/2130		26/01/2146	
मंगल	05/06/2070	राहु	20/09/2079	गुरु	24/02/2097	शनि	11/01/2114	बुध	06/06/2132
राहु	24/06/2071	गुरु	12/02/2082	शनि	08/09/2099	बुध	20/09/2116	केतु	03/06/2133
गुरु	29/05/2072	शनि	19/12/2084	बुध	15/12/2101	केतु	30/10/2117	शुक्र	03/04/2136
शनि	08/07/2073	बुध	09/07/2087	केतु	20/11/2102	शुक्र	29/12/2120	सूर्य	07/02/2137
बुध	05/07/2074	केतु	26/07/2088	शुक्र	21/07/2105	सूर्य	11/12/2121	चंद्र	09/07/2138
केतु	02/12/2074	शुक्र	27/07/2091	सूर्य	10/05/2106	चंद्र	13/07/2123	मंगल	07/07/2139
शुक्र	01/02/2076	सूर्य	20/06/2092	चंद्र	09/09/2107	मंगल	21/08/2124	राहु	23/01/2142
सूर्य	08/06/2076	चंद्र	20/12/2093	मंगल	15/08/2108	राहु	28/06/2127	गुरु	30/04/2144
चंद्र	07/01/2077	मंगल	07/01/2095	राहु	08/01/2111	गुरु	08/01/2130	शनि	26/01/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 0 वर्ष 11 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।